

प्रेषक,

हरिश्चन्द्र जोशी,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
विद्यालयी शिक्षा,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून दिनांक: 24 मार्च, 2008

विषय:- स्पेशल कम्पोनेट प्लान(एस0सी0एस0पी0) के अन्तर्गत चालू वृहद्ध निर्माण कार्यो हेतु धनराशि की स्वीकृति के सम्बन्ध मे।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 30136/5(ख)/1/भ0नि0/2007-08/ दिनांक: 07.08.2007 के सम्बन्ध में तथा शासनादेश संख्या: 452 /XXIV-3/06/02(87)2006 दिनांक: 01.12.2007 के क्रम में गुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय स्पेशल कम्पोनेट प्लान(एस0सी0 एस0पी0) के अन्तर्गत निम्न तालिका के स्तम्भ 02 में उल्लिखित 02 राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के भवन निर्माण हेतु स्तम्भ-3 पर उल्लिखित अनुमोदित लागत के सापेक्ष स्तम्भ-4 पर पूर्व में स्वीकृत धनराशि को समायोजित करते हुए स्तम्भ-5 पर अंकित विवरणानुसार कुल रू0 30.30 लाख (रुपये तीस लाख तीस हजार मात्र) की धनराशि को शासनादेश संख्या: 1010/XXIV 3/2007/02(20)2007 दिनांक: 03 अगस्त, 2007 एवं 1974/XXIV-3/07/02(20)2007 दिनांक: 26 सितम्बर, 2007 द्वारा प्रश्नगत योजना में आपके निर्वर्तन पर रखी गयी धनराशि रू0 1886.92 लाख में से नियमानुसार व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

(धनराशि लाख रूपयों में)

क्र0सं0	विद्यालय का नाम	अनुमोदित लागत	अब तक स्वीकृत धनराशि	स्वीकृति हेतु प्रस्तावित धनराशि
1	2	3	4	5
1.	रा0उ0मा0 मौना, नैनीताल	48.98	20.00	18.98
2.	रा0उ0मा0 देवद्वार, नैनीताल	51.32	20.00	11.32
	कुल योग:-	100.30	40.00	30.30

- (1) उपर्युक्त विद्यालयों के जनजाति बाहुल्य क्षेत्र के ग्रामों/वार्डों में स्थित होने पर ही धनराशि को व्यय किया जायेगा।
- (2) आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/ अनुमोदित दरों को जो दरें शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव

अर्पण

क्रमशः.....2

Je

से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।

- (3) कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
- (4) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- (5) एकमुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृत प्राप्त करने के उपरान्त ही कार्य टेकअप किया जाय।
- (6) कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मददे नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
- (7) कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भांति निरीक्षण उच्च-अधिकारियों एवं भूगर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल पर आवश्यकतानुसार एवं प्राप्त निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।
- (8) आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गई है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- (9) निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा लिया जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
- (10) यदि स्वीकृत धनराशि में स्थल विकास कार्य संभव न हो, तो कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन मानचित्र गठित कर शासन से स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, स्वीकृति राशि से अधिक कदापि व्यय न किया जाये।
- (11) मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन के शासनादेश संख्या: 2047/XIV-219 (2006) दिनांक: 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों के कम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन कराया जाना सुनिश्चित करें।
- (12) निर्माण की गुणवत्ता के लिए संबंधित निर्माण एंजेन्सी उत्तरदायी होगी।
- (13) उक्त निर्माण कार्यों की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति आख्या तथा उपयोगिता प्रमाण-पत्र अविलम्ब शासन को उपलब्ध कराया जाय। कार्य की प्रगति की निरन्तर समीक्षा करते हुए कार्य को समयबद्ध ढंग से शीघ्र पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जाय।

2- उपर्युक्त धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों के अनुसार किया जाय और जहां आवश्यक हो, व्यय करने से पूर्व सक्षम प्राधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर यथा समय शासन तथा महालेखाकार को उपलब्ध करा दिया जाय। स्वीकृति की प्रत्याशा में अनुमोदित व्यय कदापि न किया जाय।

अर्पण

lu

क्रमशः.....3

3- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के अनुदान संख्या-30 के अधीन लेखा शीर्षक-4202-शिक्षा, खेलकूद, कला तथा संस्कृति पर पूंजीगत परियोजना, 01-सामान्य शिक्षा, 202-माध्यमिक शिक्षा, 0201-अ0सू0जा0 बाहुल्य क्षेत्रों में रा0हा0,इ0का0 के भवनहीन भवनों का निर्माण, 24-वृहद निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या:1151(P)/वित्त(व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/2007 दिनांक: 15.03.2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहें हैं।

भवदीय,

(हरिश्चन्द्र जोशी)  
सचिव

संख्या: 2104 (1)/XXIV-3/07/02(134)2007 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओवराय विल्डिंग, माजरा देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 मुख्य मंत्री जी उत्तराखण्ड।
- 3- निजी सचिव, मा0 शिक्षा मंत्री जी उत्तराखण्ड।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- आयुक्त, कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
- 6- अपर शिक्षा निदेशक, कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
- 7- जिलाधिकारी, नैनीताल।
- 8- कोषाधिकारी, नैनीताल।
- 9- जिला शिक्षा अधिकारी, नैनीताल।
- 10- वित्त अनुभाग-3/नियोजन प्रकोष्ठ उत्तराखण्ड शासन।
- 11- कम्प्यूटर सेल (वित्त विभाग) उत्तराखण्ड शासन।
- 12- एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 13- बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय उत्तराखण्ड शासन।
- 14- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(पी0एल0शाह)

उप सचिव

वर्ष